



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 219]
No. 219]नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 11, 2007/वैशाख 21, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 11, 2007/VAISAKHA 21, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 2007

सं. 26/2007-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.नि. 342(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 और वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 को आगे और संशोधित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों को सेनवेट क्रेडिट (संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जाये।
(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 में, नियम 3 में, उप-नियम (5क) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम जोड़ा जायेगा, अर्थात् :-
“(5ख) यदि किसी,
(i) निविष्टि, अथवा
(ii) कारखानागत माल का मूल्य उपयोग में लिये जाने से पहले,

जिस पर सेनवेट क्रेडिट लिया गया है, को पूर्णतया बट्टे खाते में डाल दिया गया है अथवा जहाँ पूर्णतया बट्टे खाते में डालने वाला कोई प्रावधान बही खाते में किया गया है तो विनिर्माता कारखानागत माल की उक्त निविष्टि के संबंध में लिये गये सेनवेट क्रेडिट के बराबर राशि देनी होगी।

बशर्ते यदि उक्त निविष्टि अथवा कारखानागत माल अनुवर्ती रूप से अंतिम उत्पादों के विनिर्माण प्रयुक्त किया जाता है तो विनिर्माता इन नियमों के अन्य प्रावधानों के अध्वधीन पूर्व में संदत्त सेनवेट क्रेडिट के बराबर राशि का क्रेडिट लेने के लिए पात्र होगा।”

[फा. सं. 267/29/2002-के.उ.शु.-8]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पणी :- मूल नियम सं. सा.का.आ. 600(अ), दिनांक 10 सितम्बर, 2004 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 10 सितम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 23/2004-के.उ.शु. (गै.टै.) द्वारा प्रकाशित किये गये थे और अंतिम बार सं. सा.का.नि. 309(अ), दिनांक 25 अप्रैल, 2007 के तहत अधिसूचना सं. 24/2007-के.उ.शु. (गै.टै.), दिनांक 25 अप्रैल, 2007 द्वारा संशोधित किये गये थे।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th May, 2007

No. 26/2007-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 342(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and Section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2004, namely :—

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Fifth Amendment) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the CENVAT Credit Rules, 2004, in rule 3, after sub-rule (5A), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(5B). If the value of any,

(i) input, or

(ii) capital goods before being put to use,

on which CENVAT Credit has been taken is written off fully or where any provision to write off fully has been made in the books of account, then the manufacturer shall pay an amount equivalent to the CENVAT credit taken in respect of the said input or capital goods.

Provided that if the said input or capital goods is subsequently used in the manufacture of final products, the manufacturer shall be entitled to take the credit of the amount equivalent to the CENVAT Credit paid earlier subject to the other provisions of these rules.”

[F. No. 267/29/2002-CX-8]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, ‘Extraordinary *vide* notification No. 23/2004-Central Excise (NT), dated the 10th September, 2004, *vide* G.S.R. 600(E), dated the 10th September 2004, and were last amended *vide* notification No. 24/2007-Central Excise (NT), dated the 25th April, 2007, *vide* G.S.R.309(E), dated the 25th April, 2007.